तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 01/2019)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 2019

(www.trai.gov.in)

31 अक्टूबर, 2018 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1170.02**	**22.02**	**1192.04**
अक्टूबर, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	0.72	-0.09	0.64
मासिक वृद्धि दर	0.06%	-0.40%	0.05%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**648.24**	**18.88**	**667.12**
अक्टूबर, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	0.54	-0.06	0.48
मासिक वृद्धि दर	0.08%	-0.34%	0.07%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**521.77**	**3.14**	**524.91**
अक्टूबर, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	0.18	-0.03	0.15
मासिक वृद्धि दर	0.03%	-0.81%	0.03%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**89.48**	**1.68**	**91.17**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	156.12	4.55	160.67
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	58.48	0.35	58.83
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	55.40%	85.74%	55.96%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	44.60%	14.26%	44.04%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**478.02**	**18.10**	**496.12**

- अक्टूबर, 2018 के माह में 3.22 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से सितंबर, 2018 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 400.76 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर, 2018 के अंत तक 403.97 मिलियन हो गया।

- अक्टूबर, 2018 के अंत तक सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1021.73 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक तथा भारतीय जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- सितंबर, 2018 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,191.40 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर, 2018 के अंत तक 1,192.04 हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.05 प्रतिशत दर्ज की गयी। सितंबर, 2018 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 666.64 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर, 2018 के अंत तक 667.12 मिलियन हो गई, तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या भी 524.76 मिलियन से बढ़कर 524.91 मिलियन हो गई। अक्टूबर, 2018 माह के दौरान शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.07 प्रतिशत तथा 0.03 प्रतिशत रही।

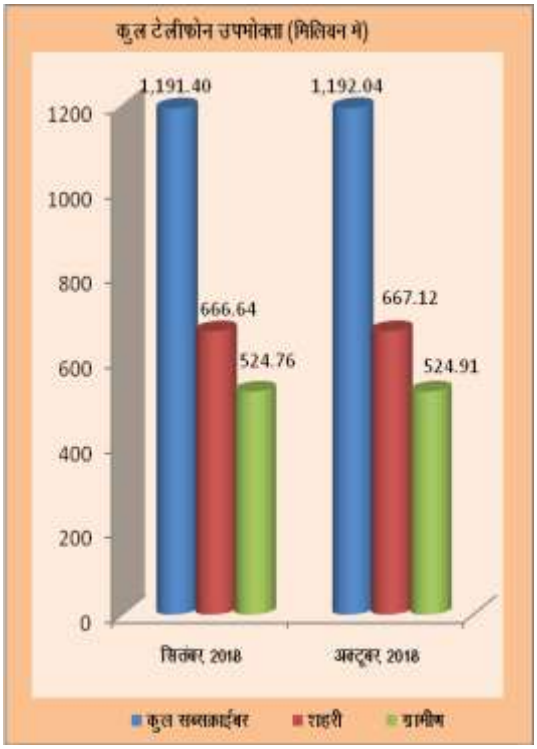

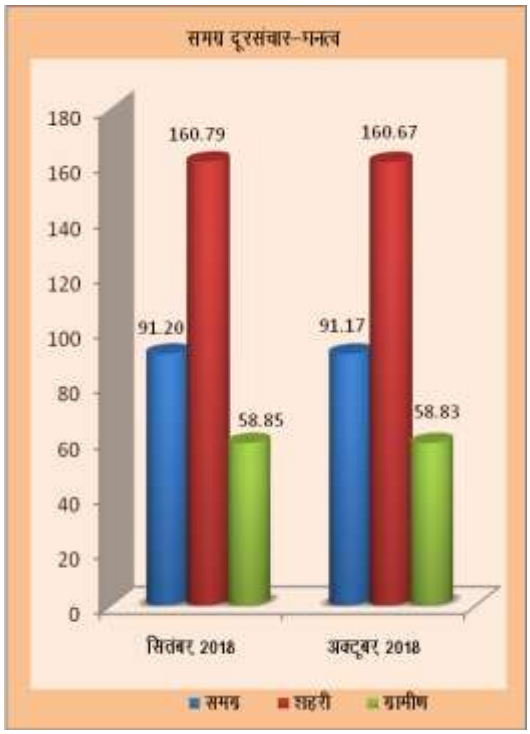

- सितंबर, 2018 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 91.20 से घटकर अक्टूबर, 2018 के अंत तक 91.17 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व सितंबर, 2018 के अंत तक 160.79 से घटकर अक्टूबर, 2018 के अंत तक 160.67 हो गया, तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी सितंबर, 2018 के अंत तक 58.85 से मामूली घटकर अक्टूबर, 2018 के अंत तक 58.83 हो गया। अक्टूबर, 2018 के अंत तक शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 55.96 प्रतिशत तथा 44.04 प्रतिशत थी।

दिनांक 31 अक्टूबर, 2018 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

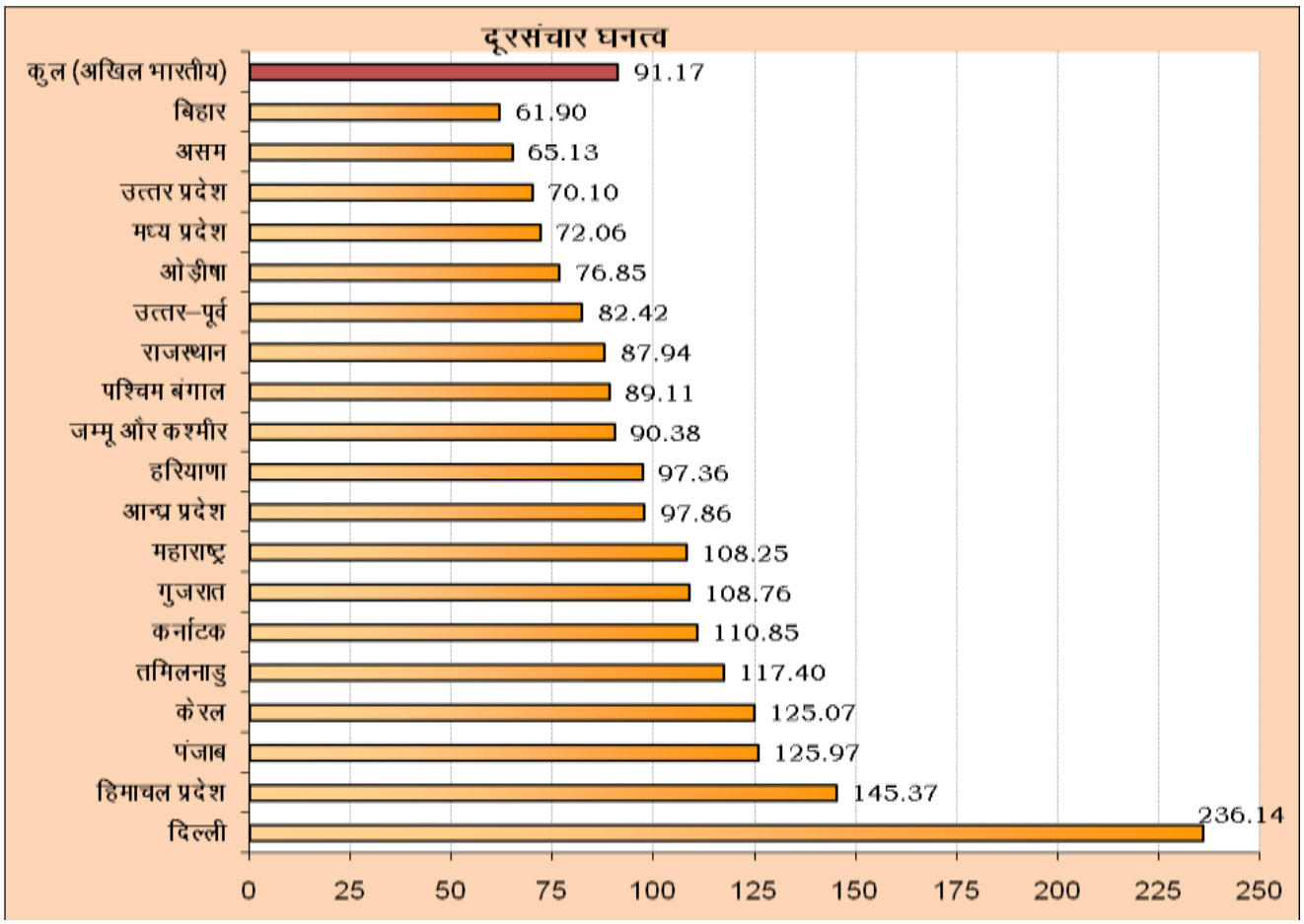

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारत के महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑग्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

अक्टूबर, 2018 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	अक्टूबर, 2018 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 31 अक्टूबर, 2018 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलैस	वायरलाइन	वायरलैस
श्रेणी – क	-31,314	354,362	8,674,096	402,182,658
श्रेणी – ख	-37,813	-396,003	5,510,862	476,960,321
श्रेणी – ग	-13,697	73,493	943,372	175,673,238
महानगर	-6,436	692,873	6,895,163	115,199,691
अखिल भारतीय	**-89,260**	**724,725**	**22,023,493**	**1,170,015,908**

अक्टूबर, 2018 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (सितंबर, 2018 से अक्टूबर, 2018 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (अक्टूबर, 2017 से अक्टूबर, 2018 तक)	
	वायरलाइन	वायरलैस	वायरलाइन	वायरलैस
श्रेणी – क	-0.36	0.09	-6.99	-1.93
श्रेणी – ख	-0.68	-0.08	-9.16	1.35
श्रेणी – ग	-1.43	0.04	-10.71	-0.41
महानगर	-0.09	0.61	-2.61	-4.88
अखिल भारतीय	**-0.40**	**0.06**	**-6.40**	**-0.69**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि अक्टूबर, 2018 माह के दौरान वायरलैस क्षेत्र में, श्रेणी–ख के अलावा सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में निबल उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक दोनो आधार पर निबल वृद्धि दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में, अक्टूबर, 2018 माह के दौरान सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में मासिक तथा वार्षिक, दोनों आधार पर उपभोक्ताओं की संख्या में निबल कमी दर्ज की गई है।

III. वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता

- सितंबर, 2018 के अंत तक कुल वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,169.29 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर, 2018 के अंत तक 1,170.02 मिलियन हो गई तथा मासिक वृद्धि दर 0.06 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या सितंबर, 2018 के अंत तक 647.70 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर, 2018 के अंत तक 648.24 मिलियन हो गई, तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या 521.59 मिलियन से बढ़कर 521.77 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.08 प्रतिशत तथा 0.03 प्रतिशत रही।

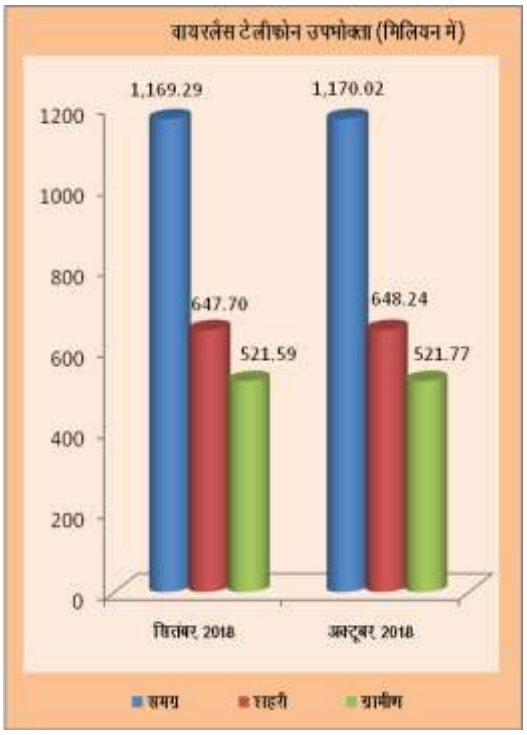

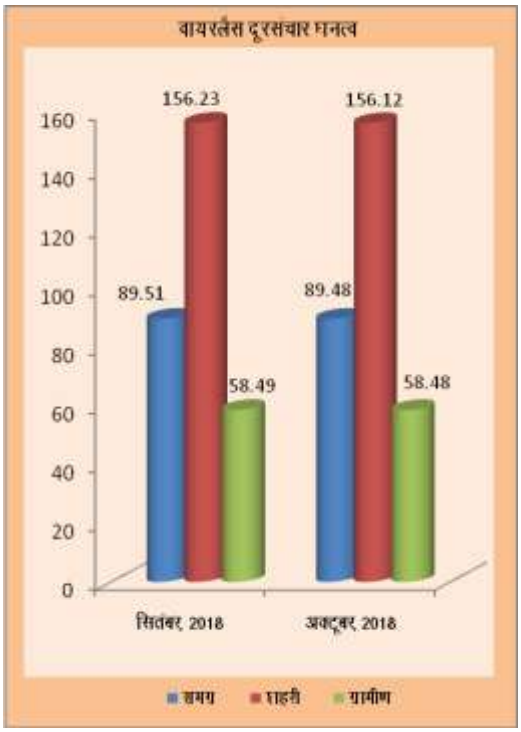

- सितंबर, 2018 के अंत तक वायरलैस दूरसंचार घनत्व 89.51 से घटकर अक्टूबर, 2018 के अंत तक 89.48 हो गया। शहरी क्षेत्रों में सितंबर, 2018 के अंत में वायरलैस दूरसंचार घनत्व 156.23 से घटकर अक्टूबर, 2018 के अंत में 156.12 हो गया, तथा इसी दौरान ग्रामीण वायरलैस दूरसंचार घनत्व भी 58.49 से मामूली घटकर 58.48 हो गया। अक्टूबर, 2018 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलैस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 55.40 प्रतिशत तथा 44.60 प्रतिशत थी। वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 अक्टूंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या का 90.01 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 9.99 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।

- वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 अक्टूबर, 2018 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलैस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

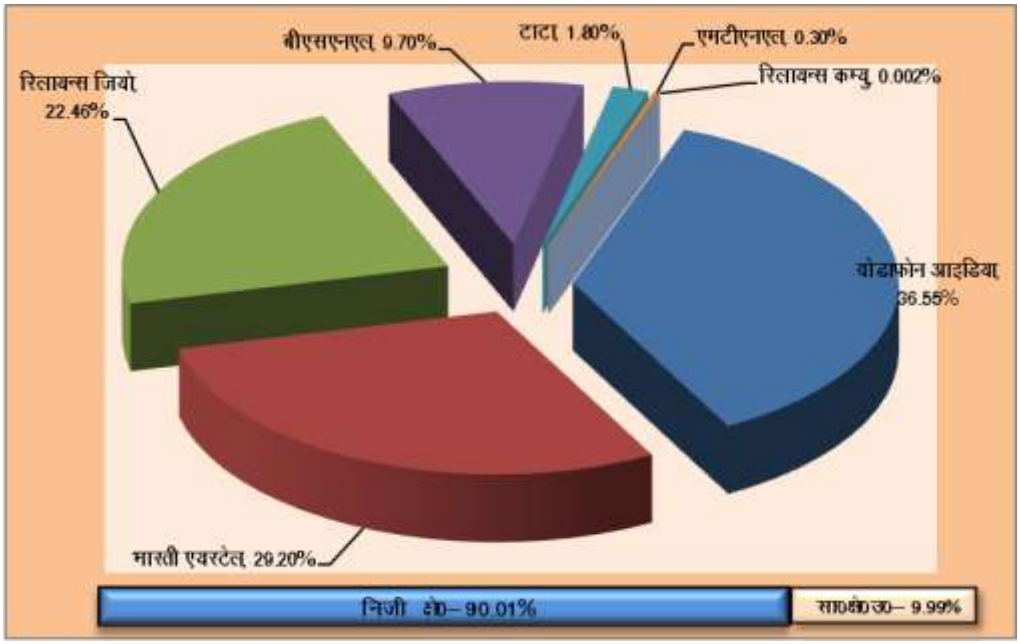

अक्टूबर, 2018 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

नोट – 1. ऐसा संज्ञान में आया कि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के द्वारा निष्क्रिय उपभोक्ताओं की संख्याओं को घटाकर शेष उपभोक्ताओं की संख्याओं को रिपोर्ट किया जाता था। प्राधिकरण के द्वारा दिनांक 18.08.2017 को एक निर्देश जारी किया गया है कि सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या का निर्धारण दूरसंचार विभाग के द्वारा दिये गये नियमों के अनुसार करना है तथा तदनुसार रिपोर्ट करनी है। हालांकि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने अभी तक इसका अनुपालन नहीं किया है।

2. मेसर्स वोडाफोन एवं मेसर्स आयडिया का आपस में विलय हो गया है और नयी कंपनी मेसर्स वोडाफोन आयडिया लिमिटेड बन गई है।
3. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह में अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. सक्रिय वायरलैस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- अक्टूबर, 2018 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,170.02 मिलियन) में से 1,021.73 मिलियन वायरलैस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 87.33 प्रतिशत था।

- अक्टूबर, 2018 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

अक्टूबर, 2018 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

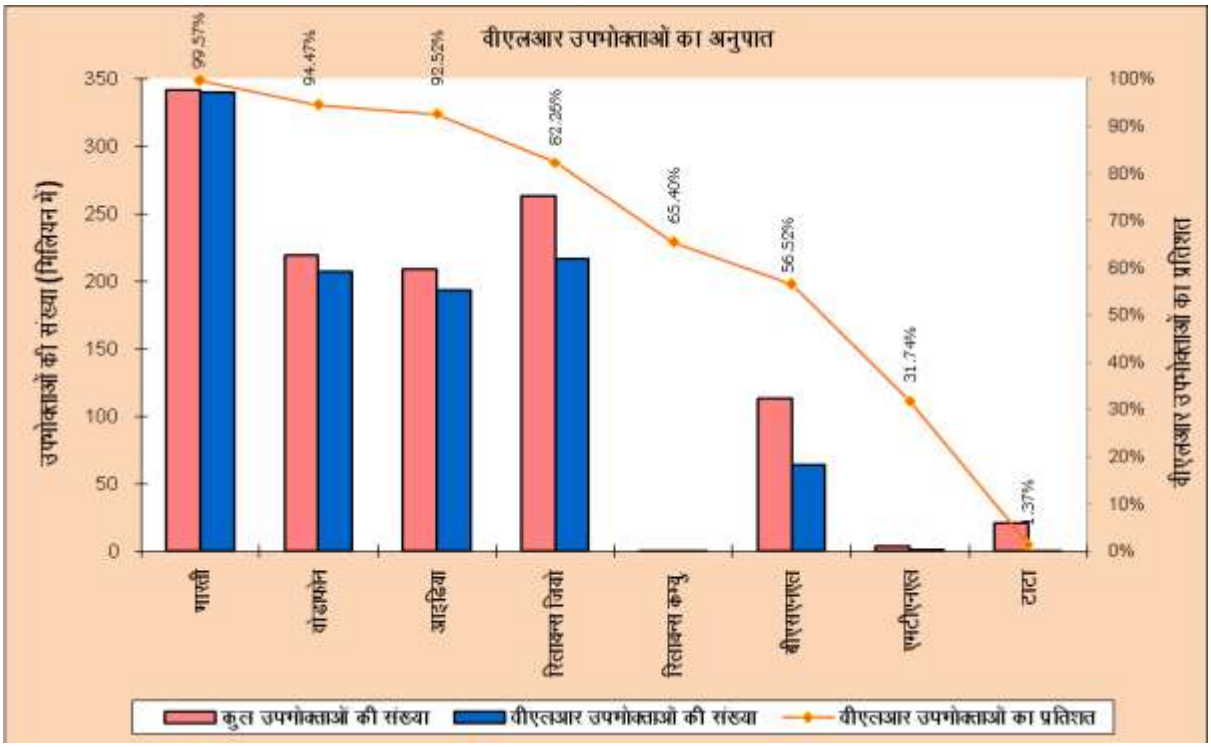

- अक्टूबर, 2018 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथी में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 99.57 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है।

अक्टूबर, 2018 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

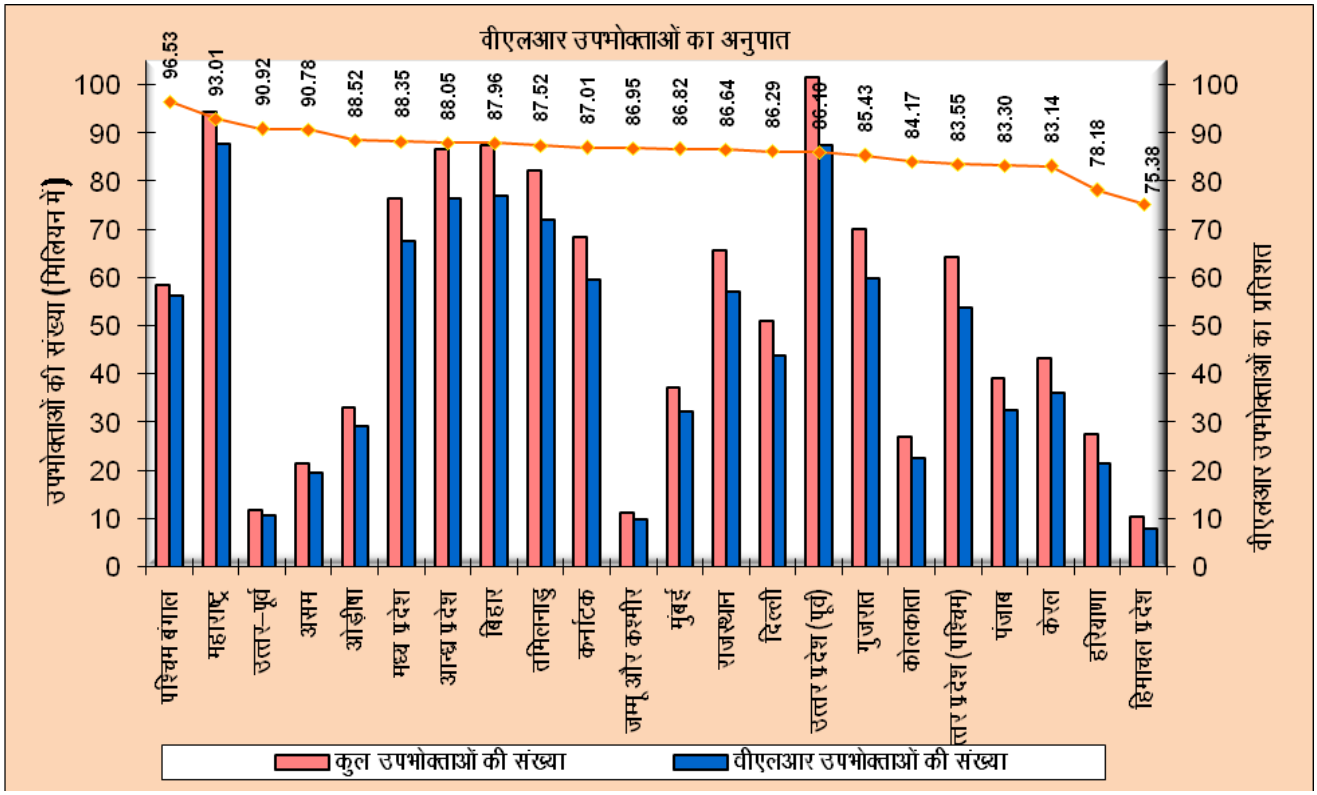

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

अक्टूबर, 2018 माह के दौरान एक्सेस सेवा–प्रदातावार वायरलैस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

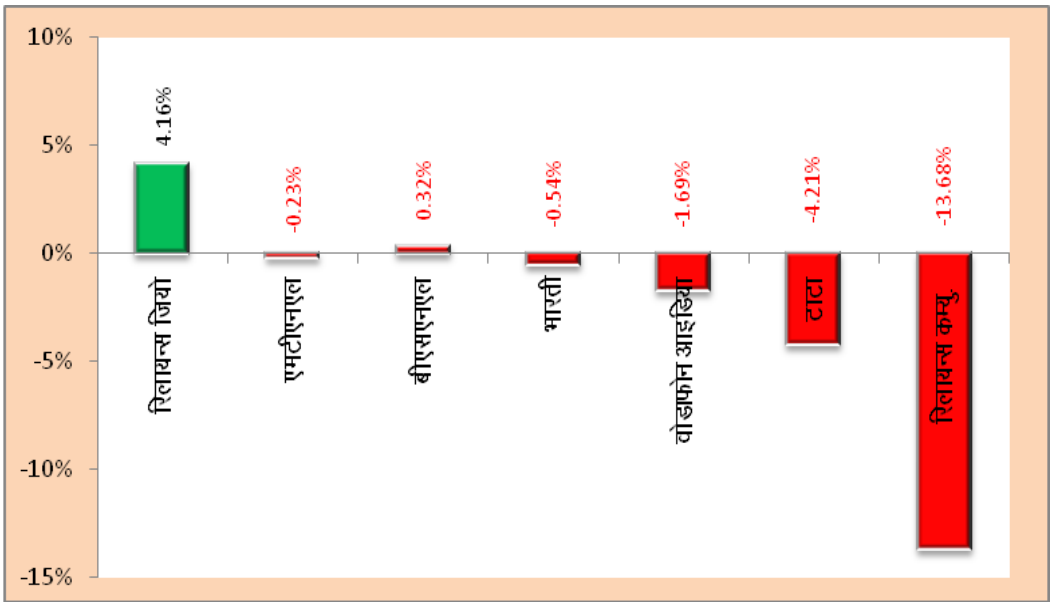

नोट– मेसर्स वोडाफोन एवं मेसर्स आयडिया का आपस में विलय हो गया है और नयी कंपनी मेसर्स वोडाफोन आयडिया लिमिटेड बन गई है।

अक्टूबर, 2018 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलैस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

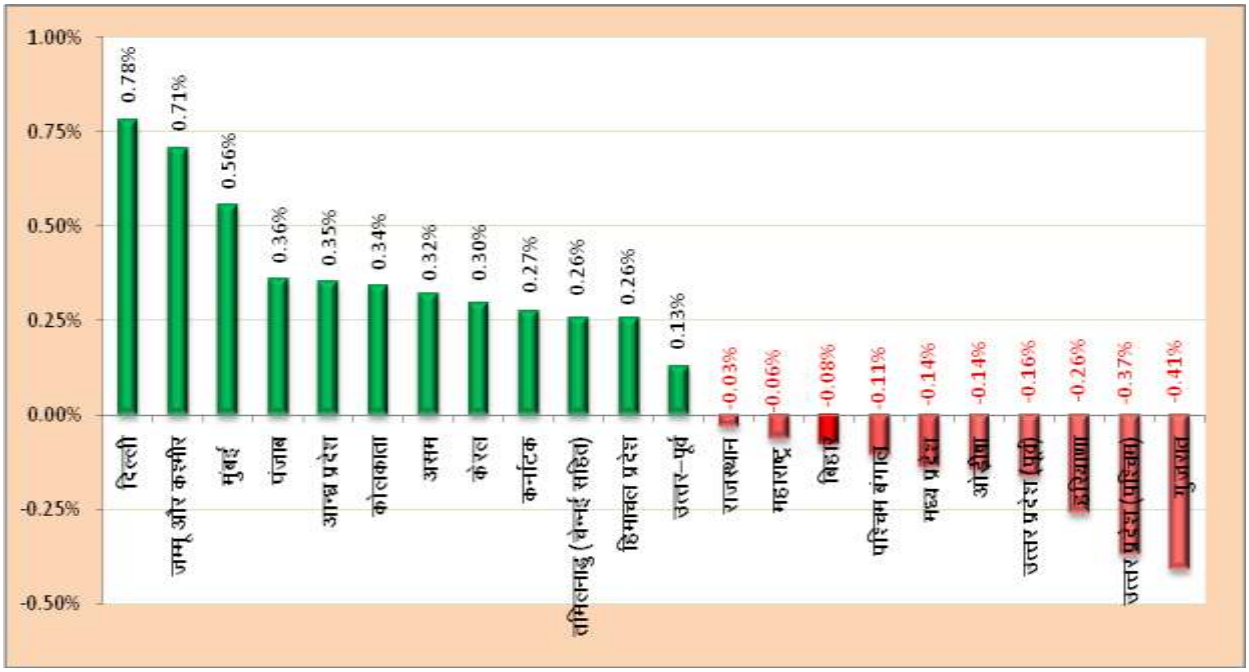

- अक्टूबर, 2018 के माह के दौरान वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम 0.78 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई है तथा इसी दौरान गुजरात सेवा क्षेत्र में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में अधिकतम 0.41 प्रतिशत की मासिक निबल ह्रास दर दर्ज की गई।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- अक्टूबर, 2018 के माह में कुल 3.22 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 3.22 मिलियन अनुरोधों में से 1.49 मिलियन अनुरोध जोन–I से तथा 1.73 मिलियन अनुरोध जोन–II से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथी से, संचयी एमएनपी अनुरोध सितंबर, 2018 के अंत तक 400.76 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर, 2018 के अंत तक 403.97 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 32.83 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (लगभग 28.56 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 38.33 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 34.35 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन–I			जोन–II		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018		सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018
दिल्ली	20.42	20.74	आन्ध्र प्रदेश	33.94	34.35
गुजरात	26.31	26.34	असम	3.22	3.24
हरियाणा	14.51	14.65	बिहार	15.44	15.59
हिमाचल प्रदेश	1.92	1.94	कर्नाटक	38.04	38.33
जम्मू और कश्मीर	0.94	0.96	केरल	9.64	9.74
महाराष्ट्र	28.26	28.56	कोलकाता	9.83	9.89
मुंबई	20.95	21.14	मध्य प्रदेश	26.23	26.46
पंजाब	15.15	15.32	उत्तर–पूर्व	1.27	1.28
राजस्थान	32.65	32.83	ओड़ीशा	7.90	7.96
उत्तर प्रदेश–पूर्व	21.89	22.02	तमिलनाडु	34.05	34.34
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	17.67	17.65	पश्चिम बंगाल	20.54	20.63
कुल	**200.66**	**202.15**	कुल	**200.09**	**201.82**
कुल (जोन–I + जोन–II)				**400.76**	**403.97**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (अक्टूबर, 2018 माह में)					**3.22** मिलियन

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या सितंबर, 2018 के अंत तक 22.11 मिलियन से और घटकर अक्टूबर, 2018 के अंत तक 22.02 मिलियन हो गया। इस माह में 0.40 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.09 मिलियन की निबल कमी हुई। अक्टूबर, 2018 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 85.74 प्रतिशत तथा 14.26 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व सितंबर, 2018 के अंत में 1.69 से घटकर अक्टूबर, 2018 के अंत तक 1.68 रह गया। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 4.55 तथा 0.35 रहा।

- अक्टूबर, 2018 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 67.36 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं।

- अक्टूबर, 2018 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 अक्टूबर, 2018 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

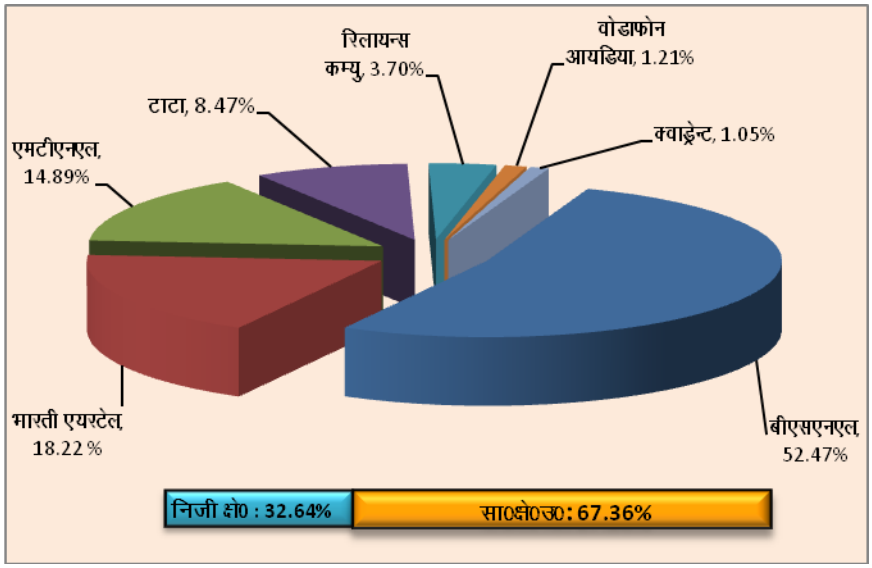

अक्टूबर, 2018 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

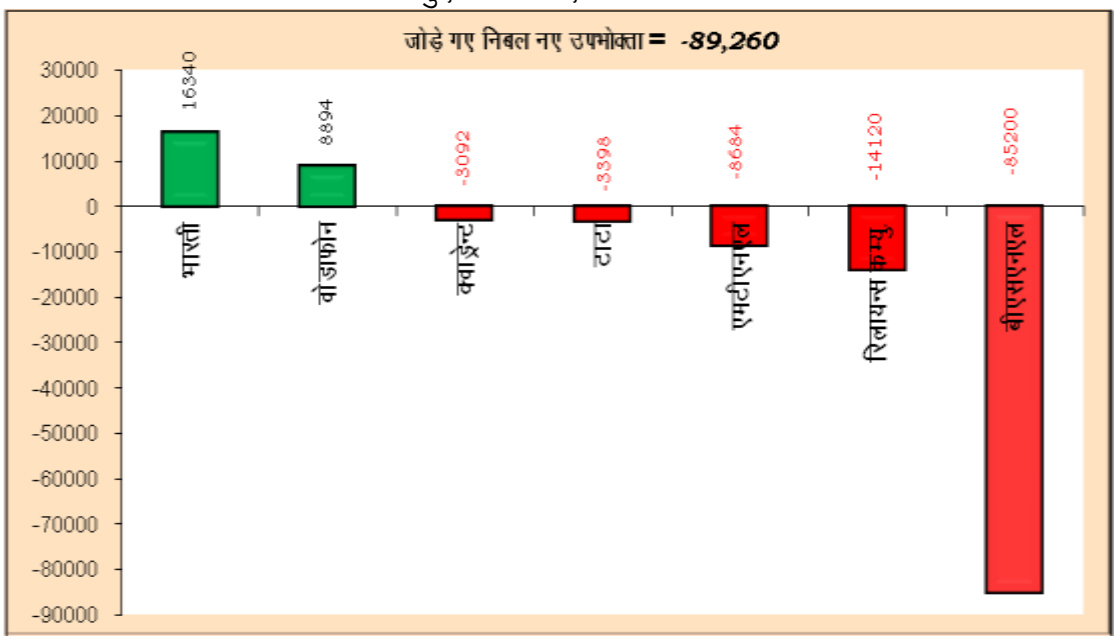

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- 306 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, सितंबर, 2018 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 481.73 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर, 2018 के अंत में 496.12 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 2.99 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		अक्टूबर, 2018 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 30 सितंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31 अक्टूबर, 2018 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	17.99	18.10	0.60%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	462.89	477.20	3.09%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.821	0.818	-0.43%
कुल	**481.70**	**496.12**	**2.99%**

- अक्टूबर, 2018 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.42 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (262.75 मिलियन), भारती एयरटेल (101.39 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (101.33 मिलियन), बीएसएनएल (20.30 मिलियन) तथा टाटा टेलि. (2.51 मिलियन) थे।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन आगे किया गया है:

नोट – मेसर्स वोडाफोन एवं मेसर्स आयडिया का आपस में विलय हो गया है और नयी कंपनी मेसर्स वोडाफोन आयडिया लिमिटेड बन गई है।

दिनांक 31.10.2018 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन +वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

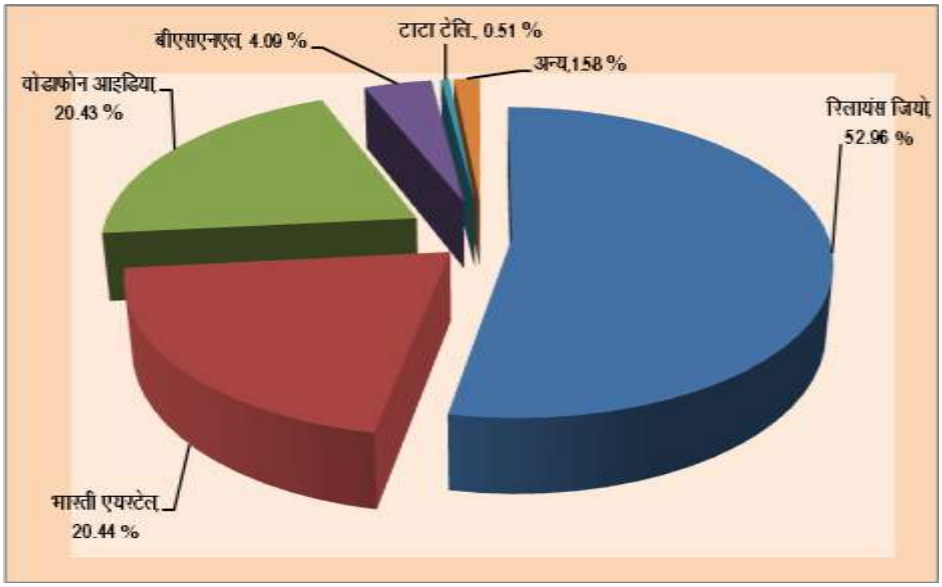

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- दिनांक 31 अक्टूबर, 2018 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (9.15 मिलियन), भारती एयरटेल (2.25 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.37 मिलियन), एमटीएनएल (0.79 मिलियन) तथा हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.75 मिलियन) थे।

- दिनांक 31 अक्टूबर, 2018 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलैस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (262.75 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (101.32 मिलियन), भारती एयरटेल (99.14 मिलियन), बीएसएनएल (11.15 मिलियन) तथा टाटा टेलि. (1.99 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री कौशल किशोर, सलाहकार (एफएंडईए–।),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23237052
फैक्स–011–23235249
ई–मेलः advfea1.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृतः

(कौशल किशोर)
सलाहकार (एफएंडईए–।)

वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह									
	भारती		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन आइडिया		टाटा		एमटीएनएल	
	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018
आन्ध्र प्रदेश	30026566	29902547	2623	2261	23977810	23678091	1931249	1852045		
असम	8418266	8400558			5776230	5619521		0		
बिहार	39593326	39476741	102	108	25036871	24224417	386772	358305		
दिल्ली	15172046	15187013	6424	5025	19728674	19628067	137248	106345	2233956	2227662
गुजरात	12449875	12345373	287	288	34564187	34238324	1066720	1007691		
हरियाणा	3869469	3823169	76	81	11729137	11445660	981753	933061		
हिमाचल प्रदेश	3657922	3625105	72	72	1495380	1454925	6073	5311		
जम्मू और कश्मीर	5659892	5658666			1483982	1423521		0		
कर्नाटक	27196971	27227312	3743	3433	16906191	16495015	3533210	3408060		
केरल	5097537	5145521	260	238	20502232	20446732	390245	364961		
कोलकाता	6480384	6461736	45	46	10024532	9886389	1214176	1177537		
मध्य प्रदेश	15822548	15670666	498	537	33786811	33014816	2222462	2143359		
महाराष्ट्र	16649830	16471221	982	989	50270674	49597331	2024488	1889095		
मुंबई	8389788	8458979	6989	6146	15980680	15906536	1068859	988803	1260470	1258696
उत्तर–पूर्व	5387075	5348491			2353972	2287469		0		
ओड़ीशा	13194247	13152845	47	55	6583705	6303530	646536	603887		
पंजाब	10450837	10447702	84	116	12090901	11896958	1029811	989320		
राजस्थान	23850722	23446963	248	251	20042460	19292176	162978	148359		
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	26015186	25967209	4806	3721	26463679	26083651	1706322	1655878		
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	33187047	32844119	470	491	37840566	37210434	1889481	1885794		
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	14213444	14000286	59	61	30321177	29935403	1530798	1490990		
पश्चिम बंगाल	18740367	18597058	198	263	28004555	27534275	51789	46870		
कुल	**343523345**	**341659280**	**28013**	**24182**	**434964406**	**427603241**	**21980970**	**21055671**	**3494426**	**3486358**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		-1864065		-3831		-7361165		-925299		-8068
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*171325432*	*170188344*	*0*	*0*	*230557038*	*225575652*	*3107673*	*2907365*	*46690*	*46558*

वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1 (निरंतर)

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह								
	बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		रिलायंस जियो		कुल		निबल वृद्धि / कमी
	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	
आन्ध्र प्रदेश	10117353	10118070			20399046	21205842	**86454647**	**86758856**	304209
असम	2336741	2368109			5028609	5240777	**21559846**	**21628965**	69119
बिहार	4724672	4774861			17780229	18617878	**87521972**	**87452310**	-69662
दिल्ली					13325084	13844596	**50603432**	**50998708**	395276
गुजरात	5641764	5665661			16576888	16754132	**70299721**	**70011469**	-288252
हरियाणा	4779107	4842023			6179323	6422849	**27538865**	**27466843**	-72022
हिमाचल प्रदेश	2715771	2733636			2505658	2588414	**10380876**	**10407463**	26587
जम्मू और कश्मीर	1208592	1214396			2975802	3111852	**11328268**	**11408435**	80167
कर्नाटक	7014510	7091733			13666438	14283293	**68321063**	**68508846**	187783
केरल	10825739	10811257			6501146	6676436	**43317159**	**43445145**	127986
कोलकाता	1683227	1723664			7424214	7668703	**26826578**	**26918075**	91497
मध्य प्रदेश	6017078	5987994			18740661	19667288	**76590058**	**76484660**	-105398
महाराष्ट्र	6925452	6919638			18698415	19630101	**94569841**	**94508375**	-61466
मुंबई					10370022	10663748	**37076808**	**37282908**	206100
उत्तर–पूर्व	1603167	1619490			2349334	2453087	**11693548**	**11708537**	14989
ओड़ीशा	5510262	5515519			7180438	7491692	**33115235**	**33067528**	-47707
पंजाब	5212346	5256963			10310181	10643713	**39094160**	**39234772**	140612
राजस्थान	5640989	5650565			16165830	17304294	**65863227**	**65842608**	-20619
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	11696433	11708598		22935	16296598	16953120	**82183024**	**82395112**	212088
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	11905520	11939298			17103514	17879616	**101926598**	**101759752**	-166846
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	5886864	5885866			12598432	13000001	**64550774**	**64312607**	-238167
पश्चिम बंगाल	1602433	1584670			10076141	10650798	**58475483**	**58413934**	-61549
कुल	**113048020**	**113412011**	**0**	**22935**	**252252003**	**262752230**	**1169291183**	**1170015908**	**724725**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		363991		22935		10500227	0	724725	
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*35724341*	*35828917*	*0*	*0*	*80832574*	*87227196*	521593748	521774032	*180284*

अनुलग्नक–**II**

अक्टूबर, 2018 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती	बीएसएनएल	आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	टाटा	वोडाफोन	कुल
आन्ध्र प्रदेश	100.79	68.74	97.67		72.98	79.84	0.30	84.37	**88.05**
असम	95.40	64.77	88.88			90.34		97.13	**90.78**
बिहार	90.25	56.52	89.29		7.41	93.37	0.41	85.09	**87.96**
दिल्ली	99.20		87.76	20.65	76.02	73.30	24.32	96.39	**86.29**
गुजरात	100.42	44.45	94.50		29.86	72.84	0.05	96.20	**85.43**
हरियाणा	122.92	35.08	94.34		3.70	65.50	0.56	95.38	**78.18**
हिमाचल प्रदेश	92.40	45.51	101.17		2.78	70.74	1.09	90.44	**75.38**
जम्मू और कश्मीर	94.81	74.27	93.73		-	74.85		92.39	**86.95**
कर्नाटक	103.77	61.84	94.40		72.65	77.99	0.49	97.62	**87.01**
केरल	95.91	63.18	94.18		58.82	73.38	1.91	96.65	**83.14**
कोलकाता	105.22	54.59	92.84		39.13	72.36	7.55	94.26	**84.17**
मध्य प्रदेश	103.87	54.76	94.41		2.79	90.77	0.36	75.44	**88.35**
महाराष्ट्र	114.83	55.49	95.46		42.57	91.33	1.91	94.63	**93.01**
मुंबई	116.73		84.95	51.36	62.17	84.50	7.10	78.25	**86.82**
उत्तर–पूर्व	96.53	75.03	97.33		-	85.73		93.90	**90.92**
ओड़ीशा	95.24	70.22	85.59		5.45	94.18	0.74	95.26	**88.52**
पंजाब	104.56	48.86	98.37		2.59	74.55	0.11	88.13	**83.30**
राजस्थान	91.58	46.83	88.84		7.57	85.13	0.57	97.90	**86.64**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	100.42	66.31	86.79		86.00	77.97	0.67	98.76	**87.52**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	98.94	44.99	89.21		15.48	88.75	0.15	91.97	**86.10**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	102.42	41.46	88.59		21.31	76.25	0.20	92.74	**83.55**
पश्चिम बंगाल	93.93	87.95	83.62		8.75	86.11	1.28	108.63	**96.53**
कुल	**99.57**	**56.52**	**92.52**	**31.74**	**65.40**	**82.26**	**1.37**	**94.47**	**87.33**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह														कुल संख्या		कुल योग /ह्रास
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती		रिलायन्स कम्यु.		टाटा		क्वाडेंट		वोडाफोन				
	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	सितंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	
आन्ध्र प्रदेश	1012648	1006300			170731	171938	49901	49519	175192	173861			30230	30370	**1438702**	**1431988**	-6714
असम	123444	121400											2790	2790	**126234**	**124190**	-2044
बिहार	230498	228096					4374	4282	8749	8517			1800	1830	**245421**	**242725**	-2696
दिल्ली			1503186	1498491	1358401	1363540	140679	136911	151721	151886			42580	44610	**3196567**	**3195438**	-1129
गुजरात	1009137	1008722			81614	82081	23975	24161	91102	91065			20088	20328	**1225916**	**1226357**	441
हरियाणा	225606	222112			22668	22668	3049	2956	35843	36367			150	150	**287316**	**284253**	-3063
हिमाचल प्रदेश	114891	114192					3121	3098	2001	1905			0	60	**120013**	**119255**	-758
जम्मू और कश्मीर	107958	106883													**107958**	**106883**	-1075
कर्नाटक	1052271	1047452			661126	666765	146662	144875	277374	275152			40145	41925	**2177578**	**2176169**	-1409
केरल	1813189	1810470			59559	59686	19857	18942	19854	19606			2880	2970	**1915339**	**1911674**	-3665
कोलकाता	515718	511235			125629	125746	43375	42960	53060	52548			7940	8020	**745722**	**740509**	-5213
मध्य प्रदेश	656329	656396			242223	242456	11487	11631	15728	16064			690	930	**926457**	**927477**	1020
महाराष्ट्र	1162466	1147993			87100	87663	54992	54164	297202	292885			16597	17564	**1618357**	**1600269**	-18088
मुंबई			1784706	1780717	362239	362562	195555	191229	569615	574701			47195	50007	**2959310**	**2959216**	-94
उत्तर–पूर्व	107170	107090											270	270	**107440**	**107360**	-80
ओड़ीषा	237613	230662					2642	2574	7798	7743			1950	1980	**250003**	**242959**	-7044
पंजाब	426496	420330			126264	127130	11702	11578	14502	14439	233693	230601	1530	1590	**814187**	**805668**	-8519
राजस्थान	470038	463994			52352	52956	25527	25149	12199	12498			7140	7170	**567256**	**561767**	-5489
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1474450	1468675			557755	557876	76665	76452	118397	118445			17590	17865	**2244857**	**2239313**	-5544
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	362054	358242			65518	66111	10285	9371	8897	8590			11520	11550	**458274**	**453864**	-4410
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	289358	278226			22736	23077	4271	4151	6051	5672			3900	3900	**326316**	**315026**	-11290
पश्चिम बंगाल	249066	246730					1757	1753	2587	2530			120	120	**253530**	**251133**	-2397
कुल	**11640400**	**11555200**	**3287892**	**3279208**	**3995915**	**4012255**	**829876**	**815756**	**1867872**	**1864474**	**233693**	**230601**	**257105**	**265999**	**22112753**	**22023493**	**-89260**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-85200		-8684		16340		-14120		-3398		-3092		8894		-89260	
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	3063310	3039590	0	0	0	0	1582	1523	52713	51943	48805	47780	0	0	3166410	3140836	-25574

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

———————